
Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
11th History
बाबर साम्राज्य
मंगोलों की सफलता के कारण
Chapter-3 | Part-3

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. चंगेज़ खान का जीवन-वृत्त
2. मंगोलों की सफलता के कारण



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- स्टेपी क्षेत्र में संसाधनों की कमी थी।
- इसलिए मंगोलों और मध्य एशिया के यायावरों को व्यापार और वस्तु-विनिमय के लिए उनके पड़ोसी चीन के स्थायी निवासियों के पास जाना पड़ता था।
- यायावर कबीले खेती से प्राप्त उत्पादों और लोहे के उपकरणों को चीन से लाते थे।
- वे घोड़े, फ़र और स्टेपी में पकड़े गए शिकार का विनिमय करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चीन को इन यायावरों से विभिन्न शासन-कालों में बहुत अधिक क्षति पहुँची।
- आठवीं शताब्दी ई.पू. से अपनी प्रजा की रक्षा के लिए चीनी शासकों ने किलेबंदी करना प्रारंभ कर दिया था।
- तीसरी शताब्दी ई.पू. से इन किलेबंदियों का एकीकरण सामान्य रक्षात्मक ढाँचे के रूप में किया गया
- जिसे आज 'चीन की महान दीवार' के रूप में जाना जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चंगेज़ खान का जीवन-वृत्त

- जन्म – 1162 ई.
- स्थान – आधुनिक मंगोलिया के उत्तरी भाग में ओनोन नदी के निकट
- प्रारंभिक नाम – तेमुजिन
- पिता – येसूजेई (कियात कबीले का मुखिया)
- माता – ओलुन-इके
- पत्नी – बोरटे
- कुल – बोरजिगिद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

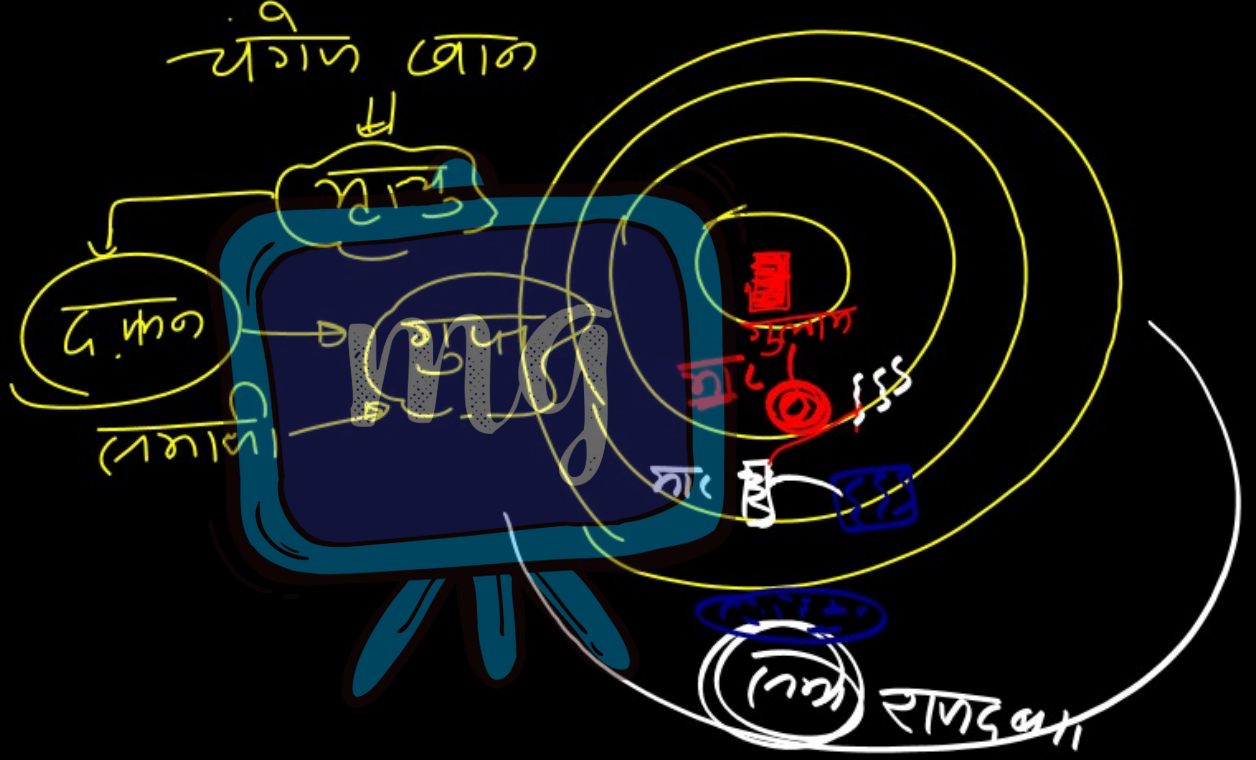
चंगेज़ खान का जीवन-वृत्त

- उपाधि – चंगेज़ खान, 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक'
- प्रथम मित्र – बोघूरचू
- सगा भाई (आंडा) – जमूका
- मृत्यु – 1227



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- तेमुजिन ने कैराईट लोगों के शासक व अपने पिता के भाई तुगरिल उर्फ ओंग खान के साथ रिश्तों की पुनर्स्थापना की।
- इस मित्रता का इस्तेमाल जमूका को परास्त करने के लिए किया।
- 1206 में जमूका और नेमन लोगों को निर्णायक रूप से पराजित किया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



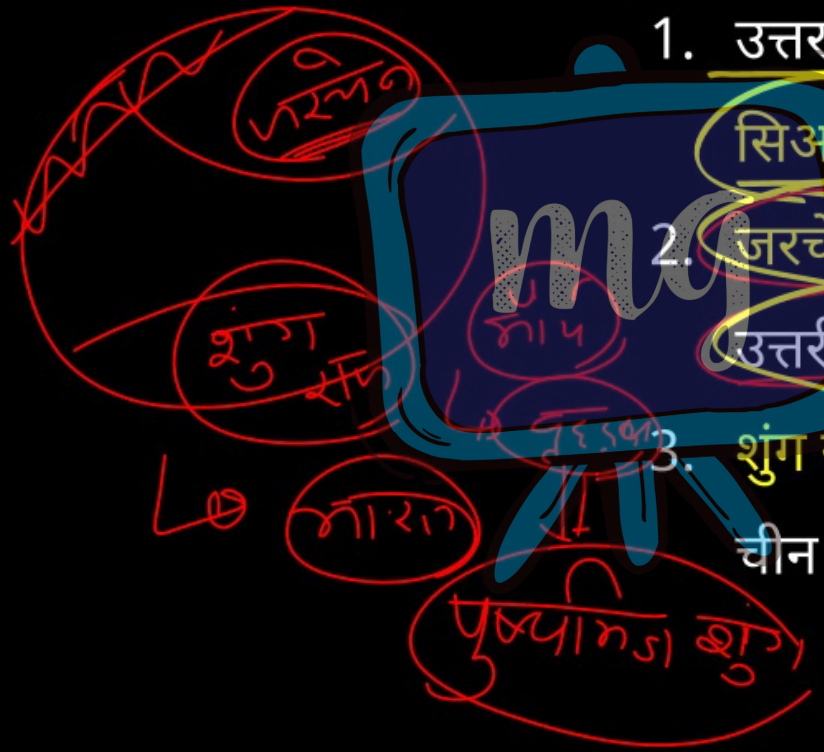
- स्टेपी-क्षेत्र की राजनीति में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरा।
- 1206 ई. में कुरिलताई से मान्यता मिली।
- उसे चंगेज खान, 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक' की उपाधि के साथ मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।
- उसने मंगोलों को एक सशक्त अनुशासित सैन्य-शक्ति के रूप में पुनर्गठित किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

❖ चीन उस समय तीन राज्यों में विभक्त था–

1. उत्तर-पश्चिमी प्रांतों के तिब्बती मूल के सी-सिआ लोग।
2. जरचेन लोगों के चिन राजवंश जो पेकिंग से उत्तरी चीन क्षेत्र का शासन चला रहे थे।
3. शुंग राजवंश जिनके आधिपत्य में दक्षिणी चीन था।



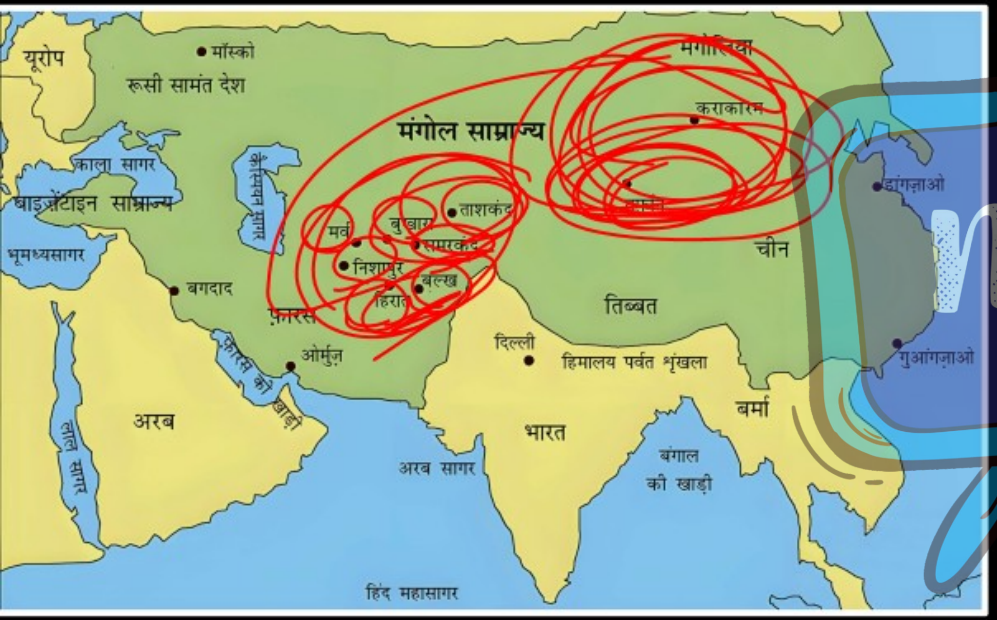
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1209 – सी-सिआ लोग परास्त।
- 1213 – चीन की महान दीवार पर अतिक्रमण।
- 1215 – पेकिंग नगर को लूटा।
- चिन वंश के विरुद्ध 1234 तक लंबी लड़ाइयाँ चलीं।
- 1218 ई. में करा खिता की पराजय के बाद मंगोलों का साम्राज्य अमू दरिया, तुरान और ख्वारज़म राज्यों तक विस्तृत हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

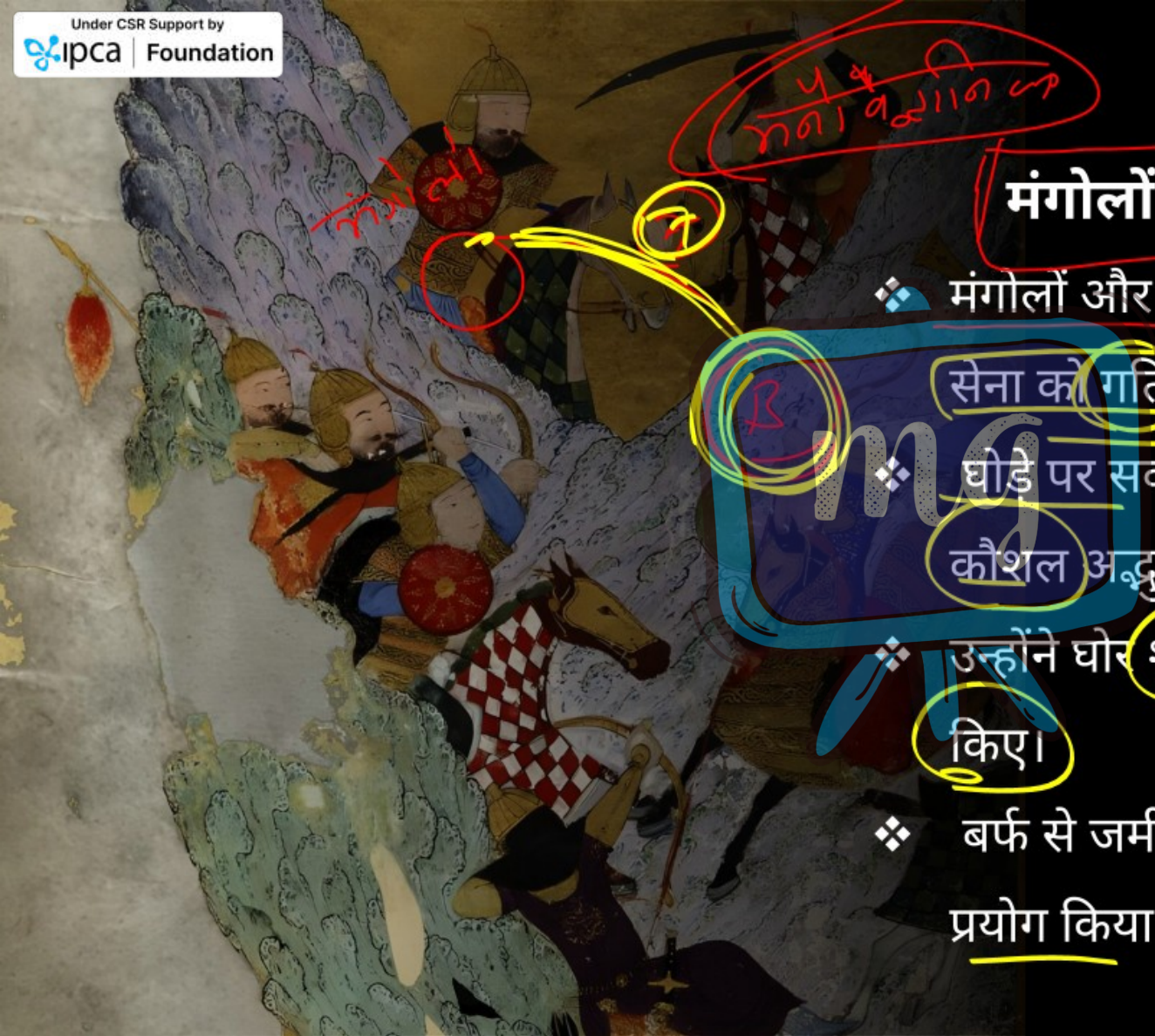
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 1219 और 1221 ई. तक के अभियानों में ओट्रार, बुखारा, समरकंद, बल्ख, गुरगंज, मर्व, निशापुर और हेरात ने मंगोल सेनाओं के सम्मुख समर्पण कर दिया।
- मंगोल सेनाएँ सुल्तान मोहम्मद का पीछा करते हुए अज़रबैजान तक चली आई।
- सेना की दूसरी टुकड़ी ने सुल्तान के पुत्र जलालुद्दीन का अफ़गानिस्तान और सिंध प्रदेश तक पीछा किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

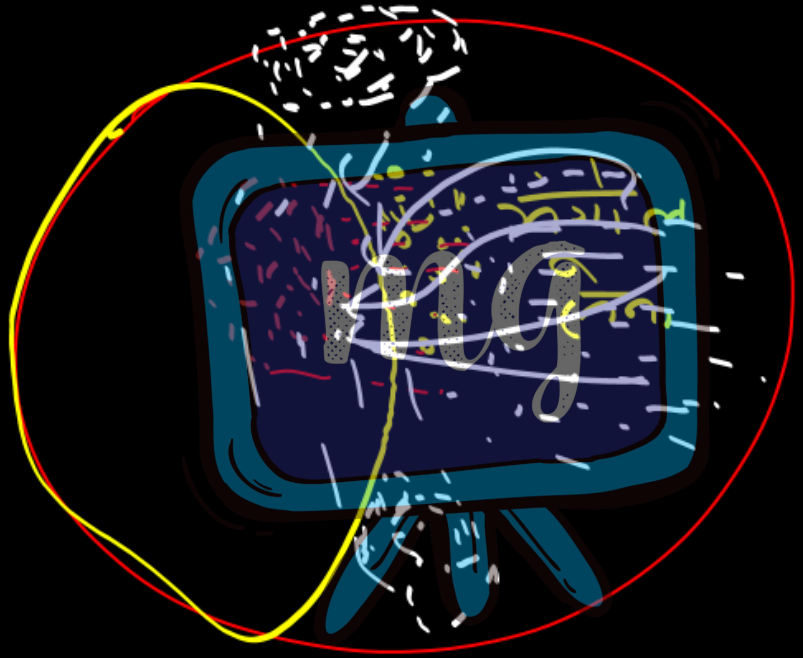


मंगोलों की सफलता के कारण

- मंगोलों और तुर्कों के घुड़सवारी कौशल ने उसकी सेना को गति प्रदान की थी।
- घोड़े पर सवार होकर उनकी तीरंदाज़ी का कौशल अद्भुत था।
- उन्होंने घोर शीत-ऋतु में युद्ध-अभियान प्रारंभ किए।
- बर्फ से जमी हुई नदियों का राजमार्गों की तरह प्रयोग किया।

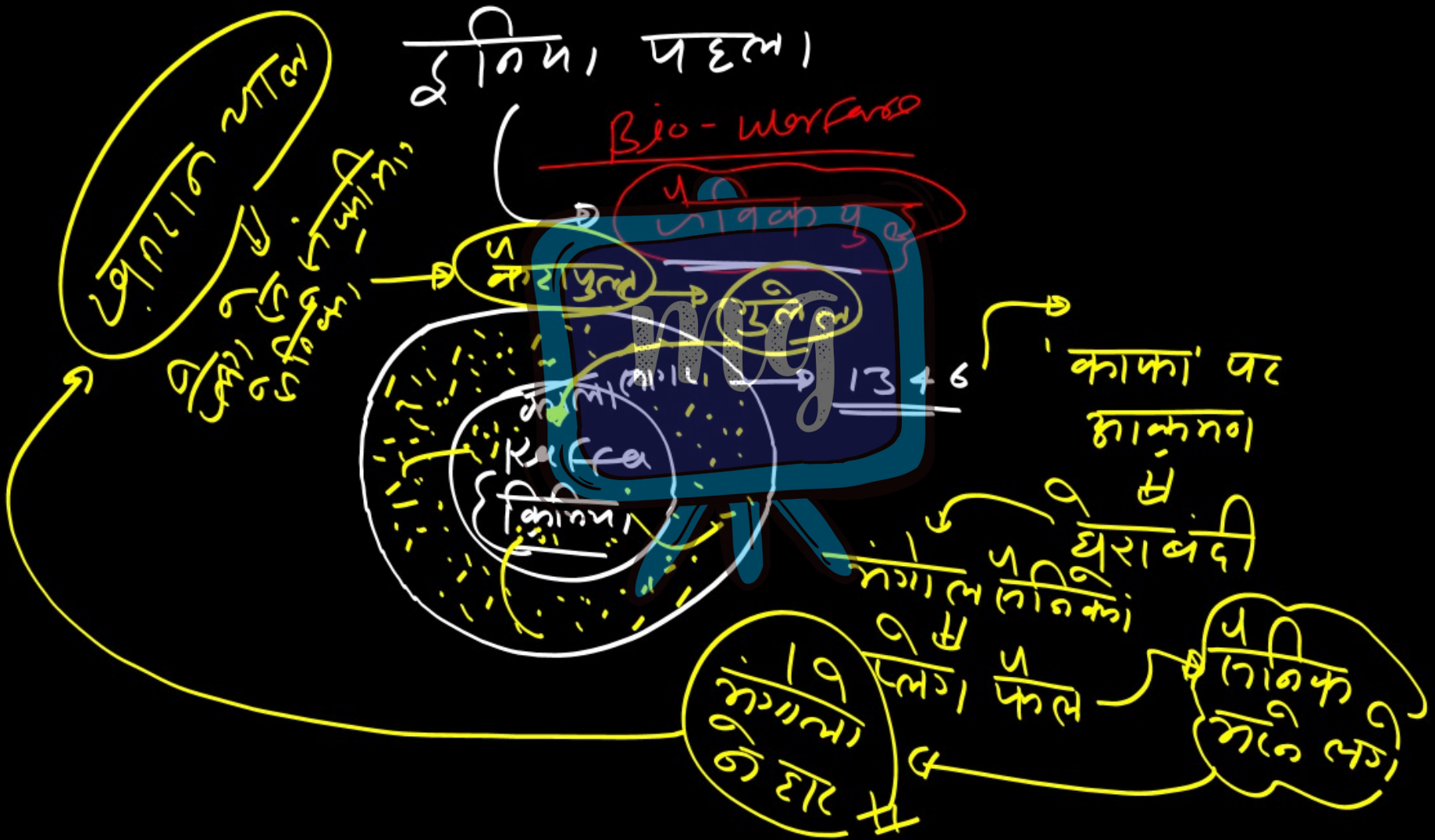
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चंगेज़ खान ने घेराबंदी यंत्र और नेफ्था बमबारी के महत्त्व को जाना।
- उसके इंजीनियरों ने हलके चल-उपस्कर का निर्माण किया जिसके युद्ध में घातक प्रभाव होते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चंगेज़ खान के उपरांत मंगोल

1227–41	चंगेज़ खान के पुत्र ओगोदेई का शासन-काल
1236–42	बाटू के अधीन रूस, हंगरी, पोलैंड और आस्ट्रिया पर आक्रमण। बाटू, चंगेज़ खान के सबसे बड़े पुत्र जोची का पुत्र था।
1246–49	ओगोदेई के पुत्र गुयूक का काल
1251–60	मोंके, चंगेज़ खान के पौत्र और तुलू के पुत्र का काल
1257–67	बर्के का राज्यकाल।
1260	पेकिंग में 'महान खान' के रूप में कुबलई खान का राज्यारोहण।
1370–1405	तैमूर का शासन। बरलास तुर्क होते हुए उसने चघताई वंश के आधार पर अपने को चंगेज़ खान का वंशज बताया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चंगेज़ खान की मृत्यु के पश्चात् मंगोल साम्राज्य का विभाजन

पहला चरण (1236–1242)

रूस के स्टेपी-क्षेत्र, बुलघार, कीव, पोलैंड तथा हंगरी में सफलता प्राप्त

दूसरा चरण (1255–1300)

समस्त चीन (सन् 1279), ईरान, इराक और सीरिया पर विजय प्राप्त

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मिस्त्र की सेनाओं द्वारा पराजित होने से नवीन राजनीतिक प्रवृत्तियों के उदय होने के संकेत मिले।
- इस प्रवृत्ति के दो पहलू थे।
- पहला, मंगोल परिवार में उत्तराधिकार को लेकर आंतरिक राजनीति थी।
- प्रथम दो पीढ़ियाँ जोची और ओगोदेई के उत्तराधिकारी महान खान के राज्य पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए एकजुट हो गए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- दूसरा, जब चंगेज़ खान के वंश की तोलूयिद शाखा के उत्तराधिकारियों ने जोची और ओगोदेई वंशों को कमजोर कर दिया।
- मोंके ने राज्याभिषेक के उपरांत 1250 ई. के दशक में ईरान में शक्तिशाली अभियान किए गए।
- 1260 ई. के दशक में तोलूई के वंशजों ने चीन में अपने हितों की वृद्धि की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परिणामस्वरूप मिस्त्र की सेना का सामना करने के लिए मंगोलों ने एक छोटी, अपर्याप्त सेना भेजी।
- मंगोलों की पराजय और तोलूई परिवार की चीन के प्रति निरंतर बढ़ती हुई रुचि से उनका पश्चिम की ओर विस्तार रुक गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक, राजनैतिक और सैनिक संगठन

- मंगोलों में प्रत्येक तंदुरुस्त वयस्क सदस्य हथियारबंद होते थे।
- जब कभी आवश्यकता होती थी तो इन्हीं लोगों से सशस्त्र सेना बनती थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- विभिन्न मंगोल जनजातियों के एकीकरण से चंगेज खान की सेना एक विशाल विषमजातीय संगठन में परिवर्तित हो गई।
- इसमें तुर्कीमूल के उइगुर समुदाय के लोग सम्मिलित थे।
- केराइटों लोग भी इसमें सम्मिलित थे।
- उसकी सेना दशमलव पद्धति के अनुसार गठित की गई।
- जो दस, सौ, हज़ार और दस हज़ार सैनिकों की इकाई में विभाजित थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सैनिकों की सबसे बड़ी इकाई लगभग दस हज़ार सैनिकों (तुमन) की थी।
- जिसमें अनेक कबीलों और कुलों के लोग शामिल होते थे।
- विभिन्न वंशों तथा कुलों को एकीकृत कर चंगेज़ खान ने इनको एक नवीन पहचान प्रदान की।
- नयी सैनिक टुकड़ियाँ उसके चार पुत्रों के अधीन थीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह टुकड़ियाँ विशेष रूप से चयनित कप्तानों के अधीन कार्य करती थी इन्हें नोयान कहा जाता था।
- चंगेज़ खान ने अपने नव-विजित लोगों पर शासन करने का उत्तरदायित्व अपने चार पुत्रों को सौंप दिया।
- इससे उलुस का गठन हुआ।
- उसके सबसे ज्येष्ठ पुत्र जोची को रूसी स्टेपी प्रदेश प्राप्त हुआ।